ably to this demand. Yet, once again no concrete action followed on the part of Government.

The inclusion of these communities among the Scheduled Tribes will be the touchstone of the commitment of any Government to social progress and uplift of weaker sections of that territory. The Government of the Union Territory has recommended that pending inclusion of these communities among the Scheduled Tribes at least the benefits availabe to other backward classes be made available to them. I urge the Home Ministry to accord sanction for giving the benefits available to other backward classes to the above communities without further delay and also to consider the case for their inclusion among the Scheduled Tribes speedily and sympathetically.

15.40 hrs

[SHRI HARINATHA MISRA *in the Chair*]

(vii) NEED FOR DECLARING THE KHAD AREA OF SAHARANPUR DISTRICT OF UTTAR PRADESH AS A BACKWARD AREA

श्री रसीद मसूद (सहारनपुर) : चेयरमैन साहब, मैं रूल नं० 377 के तहत सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के सबसे पिछड़े इलाके खाड़ की तरफ दिलाना चाहता हूं जहां पांच गांव आग में मुक्कमल तौर पर जल गये हैं । यह इलाका जिला सहारनपुर में है । लोगों को पीने के पानी के लिए दस-दस मील जाना पड़ता है । इस इलाके में कोई जरिया आमद व रफ्त का नहीं है । कोई सडकें नहीं हैं कोई इंडस्ट्री नहीं है । इस इलाके में अभी हाल में यूरेनियम पाया गया है । यूरेनियम के मिलने के बाद इस इलाके को उम्मीद बंधी है कि इस को पिछडा इलाका डिक्लेयर करके इस इलाके में रहने वालों को भी जिन्दगी की सहूलियत दी जाये ताकि वे भी जिन्दगी के दिन इत्मीनान से गुजार सकें ।

شری رشید مسعود (سہارنپور) : جناب چیئرمین صاحب - میں رول نمبر ۳۷۷ کے تحت سرکار کا دھیان اتر پردیش کے سب سے پچھڑے علاقے کھاڑکی طرف دلانا چاہتا ہوں جہاں پانچ گاؤں آگ سے مکمل طور پر جل گئے ہیں - یہ علاقہ ضلع سہارنپور میں ہے لوگوں کو پینے کے پانی کے لئے دس دس میل جانا پڑتا ہے - اس علاقے میں کوئی ذریعہ آمد و رفت کا نہیں ہے کوئی سڑکیں نہیں ہیں کوئی انڈسٹری نہیں اس علاقے میں ایسی حال میں یورنیئم بھی پایا گیا ہے - یورینیم سے ملنے کے بعد اس علاقے کو امید بندھ گئی ہے کہ اسکو پچھڑا علاقہ کلیئر کر کے اس علاقے میں رہنے والوں کو بھی زندگی کی سہولیات دی جائیں تاکہ وہ بھی زندگی کے دن اطمینان سے گزار سکیں -]

(viii) DEMAND FOR PROVIDING ADEQUATE TRAIN SERVICES FOR THE LANDLESS LABOURERS OF BIHAR AND WEST U.P. GOING TO HARYANA AND PUNJAB DURING HARVESTING SEASON

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : सभापति महोदय बिहार व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भूमिहीन मजदूरों का फसल कटाई के लिए पंजाब व हरियाणा में भारी तादाद में आना शुरू हो गया है । ये मजदूर हर वर्ष फसल कटाई के वक्त ही भारी तादाद में अपने घरों को छोड़कर कपडे में सत्तू बान्धकर व कम वस्त्र पहने हुए निकल पड़ते हैं । ये मजदूर रेलगाड़ी के खचाखच भरे डिब्बों में आते हैं । यदि इन्हें डिब्बे में जगह नहीं मिलती